लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 16 January 2023

HINDUSTAN PAGE 5

एलयू: आत्ममंथन में काव्य की बही रसधार, प्रतियोगिताएं हुईं

दीक्षांत सप्ताह

लखनऊ, संवाददाता। मैं नदियां हूं, अविरल बहती हूं.., जीवन के सौंदर्य से.., हार नहीं होती.., जैसी कविताओं से लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के दीक्षांत सप्ताह का दूसरा दिन बीता। यहां सांस्कृतिकी के द्वारा 'आत्म मंथन काव्य पाठ' का आयोजन हुआ। इस मौके पर साहित्य के क्षेत्र में कई सालों से देश विदेश में सक्रिय व उत्तर प्रदेश गौरव, साहित्य शिल्पी सम्मान पा चुकीं नीरजा शुक्ला मौजूद रहीं।

उन्होंने 'जीवन के कोरे पन्नों पर कुछ तुम लिख दो कुछ हम लिख दें' कविता सुनाई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. मधुरिमा लाल के स्वागत उद्बोधन से हुई। जिसके बाद अनेक कवियों ने अपनी स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की। इसमें हिंदी के मूर्धन्य साहित्यकार भगवती चरण वर्मा के पौत्र चन्द्र शेखर वर्मा भी रहे। जिनका 'कॉर्नर्स ऑफ़ ए स्ट्रैट लाइन' एक बेस्टसेलर उपन्यास है और उनकी उर्दू की ग़ज़लें रेख़्ता में प्रकाशित हो चुकी हैं।

वहीं हिंदी विभाग की प्रोफेसर अलका पाण्डेय ने 'जीवन के सौंदर्य से, विरही मन की पीड़ा का उपजना ही तो गीत है' कविता सुनाई। प्रो. मधुरिमा प्रधान ने सोहन लाल द्विवेदी द्वारा रचित कविता 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' का पाठ किया। इस कार्यक्रम में अनेक छात्र-छात्राओं प्रमुदित पाण्डेय, जसप्रीत, आरज़ू, नरेंद्र नाथ, नंदिनी, आदर्श, नामिश, अनमोल और जय ने प्रतिभाग किया।

आज होंगी ये प्रतियोगिताएं: दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन उमा हरिकृष्ण अवस्थी हॉल में पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, पोएट्री रेसिटेशन होगा। जबकि अन्य प्रतियोगिताएं डी पी सभागार में आयोजित की जाएंगी। साथ ही द्वितीय परिसर में रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

प्रतिभावान खिलाड़ी व कवियों का सम्मान

अखिल भारतीय ब्रह्म समाज की ओर से रविवार को विवेकानन्द जयंती मनाई गई। समारोह में महापौर संयुक्ता भाटिया, एमएलसी मुकेश शर्मा, पूर्व विधायक कैंट सुरेश चन्द तिवारी भी शामिल हुए। आलमबाग के पकरी में आयोजित हुए समारोह में कवि-मनुव्रत बाजपेयी, अंशिका त्रिवेदी (स्वर्ण पदक विजेता एलयू व डीयू), हिमांशु तिवारी (तैराकी), उत्कर्ष भट्ट (सामाजिक कार्यकर्ता), वैष्णवी गिरी (डीजी एनसीसी मेडल), तरुण त्रिपाठी (प्रवक्ता) व श्रेयांश त्रिवेदी (एथलीट) को सम्मानित किया।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : 194 केंद्रों पर होंगी स्नातक की सेमेस्टर परीक्षाएं

विवि ने जारी की परीक्षा केंद्रों की सूची, वाइस रिकॉर्डर वाले सीसीटीवी लगाने होंगे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2022-23 की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं की तैयारी तेज कर दी है। कुछ कोर्सों के परीक्षा फॉर्म जारी होने के साथ ही रविवार को परीक्षा केंद्रों की भी प्रस्तावित सूची जारी दी है। इस पर 17 जनवरी तक आपत्तियां मांगी गई हैं। साथ ही कॉलेजों को दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

विवि प्रशासन की सूचना के अनुसार बीए, बीएससी, बीकॉम विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं लखनऊ समेत रायबरेली, सीतापुर, हरदोई व लखीमपुर खीरी में 194 केंद्रों पर होंगी। इसके लिए 23 नोडल सेंटर भी बनाए गए हैं। इन नोडल सेंटर के माध्यम से जिलों के परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा कराई जाएगी। नोडल केंद्रों पर परीक्षा केंद्रों की निगरानी भी की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अगर कॉलेजों को कोई आपत्ति या सुझाव है तो वे 17 जनवरी को शाम पांच तक इसे ई-मेल से सूचित करें।

उन्होंने परीक्षा केंद्रों को निर्देशित किया है कि परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार सहित सभी परीक्षा कक्ष व उससे जुड़े बरामदे में वाइस रिकॉर्डर सहित सीसीटीवी कैमरा व डीवीआर की व्यवस्था करनी होगी। नकल विहीन परीक्षा के लिए वेबकास्टिंग व मॉनिटरिंग के लिए राउटर डिवाइस भी लगाना होगा। हर परीक्षा कक्ष में दो कैमरे और ज्यादा बड़े हॉल में कैमरों से निगरानी की बेहतर व्यवस्था करनी होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही परीक्षा कार्यक्रम भी जारी करेगा।

फॉर्म खुले तो विकल्प रहा गायब

लविवि द्वारा जारी बीबीए, एमबीए, लॉ के परीक्षा फार्म भरने को लेकर विद्यार्थियों की समस्या का पूरी तरह समाधान रविवार को भी नहीं हुआ। विवि प्रशासन ने काफी कवायद कर बीबीए पहले सेमेस्टर के फॉर्म तो खुलवा दिए, लेकिन विद्यार्थियों को सिर्फ लविवि का विकल्प दिख रहा है। कॉलेज का विकल्प ही नहीं दिख रहा है। इसी तरह पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों का फॉर्म आज भी नहीं खुल सका। एलएलबी ऑनर्स के विद्यार्थियों को भी सिर्फ विश्वविद्यालय का ही विकल्प शो कर रहा है, जबकि पहले सेमेस्टर में विद्यार्थियों के पेपर कम दिख रहे हैं। शिक्षकों व विद्यार्थियों ने विवि को इसकी सूचना देते हुए इसे जल्द ठीक कराने की मांग की है।

ब्लॉक चेन पर व्याख्यान आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय द्वारा लेक्चर सिरीज का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सोमवार को सुबह 11 बजे से ब्लॉक चेन तकनीक : चैलेंजेज एवं फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स विषय पर फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ लूबीआन, स्लोवेनिया के प्रो. व्लादो स्टेनकोस्की का व्याख्यान होगा। दोपहर 2:30 बजे से नो कोड कंप्यूटर विजन आई मॉडल डेवलपमेंट विषय पर वरुण पोलादिया अपने विचार रखेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 1

एलयू में पीएचडी के लिए अब 25 तक कर सकेंगे आवेदन

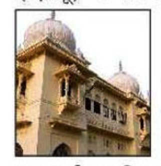

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी (एलयू) में सत्र 2022-23 में पीएचडी रेग्युलर में दाखिले के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने की डेट बढ़ा दी गई है। अब 16 जनवरी की जगह 25 जनवरी तक एलयू की वेबसाइट के जरिए फॉर्म भरे जा सकेंगे। एलयू पीआरओ डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 पर सुबह 10 से शाम 6 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

नोडल व परीक्षा केंद्रों पर मांगी गई आपत्ति

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू ने रविवार को विषम सेमेस्टर परीक्षा-2022 के लिए लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर, हरदोई और रायबरेली के सहयुक्त महाविद्यालयों के नोडल अफसर की अस्थायी सूची जारी की। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों की अस्थाई लिस्ट भी अपडेट कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक, कोई भी सहयुक्त कॉलेज 17 जनवरी की शाम पांच बजे तक आपत्ति या परामर्श दर्ज करा सकता है।

i-NEXT PAGE 4

कुछ तुम लिख दो, कुछ हम लिख दें

उमा हरिकृष्ण अवस्थी हाल में आत्ममंथन काव्य पाठ का आयोजन

LUCKNOW(15 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षा समारोह सप्ताह के दूसरे दिन रविवार को उमा हरिकृष्ण अवस्थी हाल में आत्ममंथन काव्य पाठ का आयोजन किया गया. सांस्कृतिकी की ओर से हुए इस कार्यक्रम में कनाडा प्रवासी कवयित्री नीरजा शुक्ल, भगवती चरण वर्मा के पौत्र चंद्रशेखर वर्मा सहित अन्य कवयित्री एवं छात्र-छात्राओं ने स्वरचित कविताएं प्रस्तुत कीं.

कुछ हम लिख दें...

नीरजा शुक्ल ने अपनी कविता जीवन के कोरे पन्नों पर कुछ तुम लिख दो, कुछ हम लिख दें... पढ़ी तो खूब तालियां बजीं. हिंदी विभाग की प्रोफेसर अलका पांडेय ने आधी आबादी या स्त्री विमर्श पर कविता सुनाई. उसके बाद जीवन के सौंदर्य से, विरही मन की पीड़ा का उपजना ही तो गीत है... प्रस्तुत किया. कवि चंद्रशेखर की कविता मंजिल पर आकर रास्ता छोड़ा नहीं जाता, यूं साथ हमसफर का तो छोड़ा नहीं जाता... सुनाकर सबका दिल जीत लिया.

कभी हार नहीं होती...

प्रो. मधुरिमा प्रधान ने सोहन लाल द्विवेदी द्वारा रचित कविता, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती का पाठ किया. डा. वैशाली की कविता मैं नदियां हूं, अविरल बहती हूं... सुनाया. इस अवसर पर सांस्कृतिकी की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल, प्रमुदित पांडेय, जसप्रीत, नरेंद्र नाथ, नंदिनी, आदर्श 'शाश्वत', नामिश, अनमोल और जय भी उपस्थित रहे.

आज होंगी प्रतियोगिताएं

दीक्षा सप्ताह के तीसरे दिन सोमवार को पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग आदि प्रतियोगिताएं उमा हरिकृष्ण अवस्थी हाल और डीपी सभागार में आयोजित की जाएंगी. द्वितीय परिसर में रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता होंगी.

तैयारियां देखने पहुंची टीम

द्वितीय परिसर में दीक्षा समारोह की तैयारियां देखने के लिए रविवार को दोपहर डेढ़ बजे आयोजन कमेटी की संयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, प्रो. एमके अग्रवाल, इंजीनियरिंग संकाय अध्यक्ष प्रो. एके सिंह पहुंचे. प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पंडाल बनाने की तैयारियां चल रही हैं. 20 जनवरी को समारोह का रिहर्सल होना है. इसलिए 18 जनवरी तक तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं. कार्यक्रम स्थल पर स्टेज बनाया जा रहा. आयोजन का सजीव प्रसारण होना है, इसके लिए इंटरनेट की व्यवस्था से लेकर पोशाक बदलने के लिए बनाए जा रहे ग्रीन रूम को देखा गया. लोकार्पण के लिए हास्टल और कर्मचारी आवास भी देखा गया. यहां साफ-सफाई कर तैयार करने के निर्देश दिए गए.

AMRIT VICHAR PAGE 4

'जीवन के कोरे पन्नों पर कुछ तुम लिख दो कुछ हम लिख दें'

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

काव्यपाठ में शामिल शिक्षक व विद्यार्थी। अमृत विचार

आयोजन

● लविवि के दीक्षांत सप्ताह के दूसरे दिन काव्य पाठ की रही धूम

अमृत विचार : जीवन के कोरे पन्नों पर कुछ तुम लिख दो कुछ हम लिख दें...नीरजा शुक्ला ने जब कविता की इन पंक्तियों को प्रस्तुत किया तो पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौका था लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत सप्ताह के दूसरे दिन रविवार को आयोजित हुए काव्य पाठ का।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के संरक्षण में सांस्कृतिकी के द्वारा आयोजित "आत्म मंथन काव्य पाठ" का प्रारंभ प्रो. मधुरिमा लाल के स्वागत उद्बोधन द्वारा हुआ। इस कार्यक्रम अनेक कवियों ने अपनी स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की। जिसमें साहित्य के क्षेत्र में कई वर्षों से देश विदेश में सक्रिय नीरजा शुक्ला जो कनाडा में रहकर हिंदी का प्रचार प्रसार कर रही हैं और उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान, अस्मिता सम्मान, साहित्य शिल्पी आदि द्वारा सम्मानित हैं।

इसके बाद चंद्र शेखर ने कविता 'मंजिल पर आके रास्ता छोड़ा नहीं जाता, यू साथ हमसफर का तो छोड़ा नहीं जाता' सुनाकर लोगों की वाहवाही बटोरी। चंद्रशेखर हिंदी के मूर्धन्य साहित्यकार भगवती चरण वर्मा के पौत्र हैं, जिनका उपन्यास कॉर्नर्स ऑफ़ ए स्ट्रैट लाइन एक बेस्टसेलर उपन्यास है और उनकी उर्दू की ग़ज़लें रेख़्ता में प्रकाशित हो चुकी हैं। प्रो.अलका पाण्डेय ने कविता 'जीवन के सौंदर्य से, विरही मन की पीड़ा का उपजना ही तो गीत है' सुनाया तो प्रो. मधुरिमा प्रधान ने सोहन लाल द्विवेदी द्वारा रचित कविता, 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' का पाठ किया। डॉ. वैशाली की कविता 'मै नदिया हूं, अविरल बहती हूं' की मनमोहक प्रस्तुति दी।

लविवि ने जारी की संभावित परीक्षा केंद्रों की सूची

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से रविवार को विषय विषम सेमेस्टर 2022 की परीक्षाओं हेतु संभावित परीक्षा केंद्रों की सूची विवि की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्या नंद त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर, हरदोई और रायबरेली के संस्थानों के प्राचार्यों से अपील की गई है कि परीक्षा केंद्रों में किसी भी तरह की आपत्ति 17 जनवरी शाम पांच बजे तक परीक्षा नियंत्रक की ई-मेल coe@lkouniv.ac.in पर दी जा सकेगी। जारी निर्देश के मुताबिक परीक्षा केंद्र में प्रवेश द्वार सहित प्रत्येक परीक्षा कक्ष एवं उससे जुड़े बरामदे में वाइस रिकार्डर सहित सीसीटीवी कैमरा एवं रिकार्डिंग हेतु डीवीआर तथा पारदर्शितापूर्ण नकल विहीन परीक्षा कराए जाने एवं उसकी वेबकास्टिंग के द्वारा मानीटरिंग किए जाने हेतु राउटर डिवाइस लगा होना अनिवार्य है। इसके अलावा प्रत्येक कक्ष में न्यूनतम दो कैमरे तथा सामान्य से बड़े परीक्षा कक्ष में आवश्यकतानुसार पूर्ण एवं स्पष्ट कवरेज हेतु दो से अधिक कैमरे आवश्य लगे होने चाहिए।

लविवि: अब 25 तक भरें पीएचडी फॉर्म

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2022-23 पीएचडी रेगुलर के ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरने की तारीख 25 जनवरी तक विस्तारित कर दी गई है। लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पहले अंतिम तारीख 16 जनवरी निर्धारित थी, लेकिन विद्यार्थियों के अनुरोध पर विश्वविद्यालय ने तारीख को विस्तारित किया है। ऑनलाइन फॉर्म का शुल्क सामान्य, ओबीसी और पिछड़ा वर्ग के लिए दो हजार और एससी, एसटी एवं दिव्यांग छात्रों के लिए एक हजार रुपये निर्धारित है।

VOICE OF LUCKOW PAGE 4

लविवि में 25 तक भरे जायेंगे पीएचडी फार्म

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑनलाइन पीएचडी आवेदन फॉर्म भरने की तिथि 25 जनवरी तक कर दी गयी है। पहले यह तिथि 16 जनवरी तक थी। यह जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी।

JAGRAN CITY PAGE I

काजल शर्मा को मिलेगा बेस्ट स्पोर्ट्समैन गोल्ड मेडल

लवि : बाक्सिंग खिलाड़ी एवं बीए तीसरे सेमेस्टर के छात्र सक्षम सिंह को भी मिलेगा गोल्ड मेडल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 21 जनवरी को होने वाले 65वें दीक्षा समारोह में खेल के क्षेत्र में भी दो विद्यार्थियों को दो गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। इस बार सीबी गुप्ता बीएसएस महाविद्यालय, चंद्रावल लखनऊ में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा काजल शर्मा को बेस्ट स्पोर्ट्स मैन इन कालेज (एथलेटिक) के लिए पीरी मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, विश्वविद्यालय कैंपस में बीए तीसरे सेमेस्टर के छात्र खिलाड़ी (बाक्सिंग) सक्षम सिंह को राजा शंकर सहाय आफ मौरावां गोल्ड मेडल फार स्पोर्ट्समैन दिया जाएगा।

ओलंपिक में प्रतिभाग करना लक्ष्य: काजल के पिता देवेंद्र शर्मा किसान हैं। मम्मी संतोष शर्मा गृहिणी हैं। काजल ने भुवनेश्वर में हुई आल इंडिया यूनिवर्सिटी नार्थ जोन-एथलेटिक्स में वूमेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले नेशनल प्रतियोगिताओं में 24 गोल्ड, 18 सिल्वर और चार ब्रांज मेडल के साथ इंडियन ग्रांड प्रिक्स 4-2022 में भी ब्रांज मेडल जीत चुकी हैं। 2024 के ओलंपिक गेम्स में प्रतिभाग करना मेरा लक्ष्य है। काजल की छह बहनें, एक भाई हैं। छोटी बहन रीना भी एथलेटिक्स में चार नेशनल गोल्ड मेडल जीत चुकी है।

लवि में बीए तीसरे सेमेस्टर के छात्र खिलाड़ी (बाक्सिंग) सक्षम सिंह का चयन राजा शंकर सहाय आफ मौरावां गोल्ड मेडल फार स्पोर्ट्समैन के लिए हुआ व बेस्ट स्पोर्ट्समैन गोल्ड मेडल के लिए चयनित छात्रा काजल अपनी मां संतोष शर्मा के साथ ● सौजन्य स्वयं

बाक्सिंग में जीतना है गोल्ड मेडल

बालागंज गोशाला रोड निवासी एवं लवि में बीए तीसरे सेमेस्टर के छात्र खिलाड़ी सक्षम सिंह बाक्सिंग में आल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने की तैयारी कर रहे हैं। वह बताते हैं कि पापा राजेश सिंह का 2005 में निधन हो गया था। घर में मम्मी ऊषा सिंह और बड़े भाई अर्पित सिंह हैं। 9वीं क्लास से ही बाक्सिंग का शौक था। अमीनाबाद इंटर कालेज से 12वीं करने के बाद लवि में प्रवेश लिया। प्रथम खेलो इंडिया स्कूल गेम्स दिल्ली, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स कर्नाटक, द्वितीय खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में ब्रांज मेडल के साथ सेकेंड जूनियर नेशनल खेल में रजत पदक मेडल जीत चुके हैं।

...यूं साथ हमसफर का छोड़ा नहीं जाता

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षा समारोह सप्ताह के दूसरे दिन रविवार को उमा हरिकृष्ण अवस्थी हाल में आत्ममंथन काव्य पाठ का आयोजन किया गया। सांस्कृतिकी की ओर से हुए इस कार्यक्रम में कनाडा प्रवासी कवयित्री नीरजा शुक्ल, भगवती चरण वर्मा के पौत्र चंद्रशेखर वर्मा सहित अन्य कवयित्री एवं विद्यार्थियों ने कविताएं प्रस्तुत कीं।

नीरजा शुक्ल ने अपनी कविता जीवन के कोरे पन्नों पर कुछ तुम लिख दो, कुछ हम लिख दें... पढ़ी तो खूब तालियां बजीं। हिंदी विभाग की प्रो. अलका पांडेय ने जीवन के सौंदर्य से, विरही मन की पीड़ा का उपजना ही तो गीत है... प्रस्तुत किया। कवि चंद्रशेखर की कविता मंजिल पर आकर रास्ता छोड़ा नहीं जाता, यूं साथ हमसफर का छोड़ा नहीं जाता... सुनाया। प्रो. मधुरिमा प्रधान ने सोहन लाल द्विवेदी द्वारा रचित कविता, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती का पाठ किया।

डा. वैशाली की कविता मैं नदियां हूं, अविरल बहती हूं... सुनाया। इस अवसर पर सांस्कृतिकी की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल, प्रमुदित पांडेय, जसप्रीत, आरजू, नरेंद्र नाथ, उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताएं आज: सोमवार को पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताएं उमा हरिकृष्ण अवस्थी हाल व डीपी सभागार में होंगी। द्वितीय परिसर में रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं होंगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में दीक्षा समारोह की तैयारियां देखने पहुंची अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ● सौजन्य लवि

दीक्षा समारोह की तैयारियां देखने पहुंची टीम

द्वितीय परिसर में दीक्षा समारोह की तैयारियां देखने के लिए रविवार को दोपहर डेढ़ बजे आयोजन कमेटी की संयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, प्रो. एमके अग्रवाल, इंजीनियरिंग संकाय अध्यक्ष प्रो. एके सिंह पहुंचे। प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पंडाल बनाने की तैयारियां चल रही हैं। 20 जनवरी को समारोह का रिहर्सल होना है। इसलिए 18 जनवरी तक तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर स्टेज बनाया जा रहा। आयोजन का सजीव प्रसारण होना है, इसके लिए इंटरनेट की व्यवस्था से लेकर पोशाक बदलने के लिए बनाए जा रहे ग्रीन रूम को देखा गया। लोकार्पण के लिए हास्टल और कर्मचारी आवास भी देखा गया।

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत में खेल के क्षेत्र में भी दिए जाने हैं दो मेडल

बेस्ट स्पोर्ट्समैन गोल्ड मेडल काजल शर्मा के खाते में आया

सक्षम सिंह को भी दीक्षांत में दिया जाएगा मेडल

LUCKNOW(15 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय के 21 जनवरी को होने वाले 65वें दीक्षा समारोह में खेल के क्षेत्र में भी दो गोल्ड मेडल दिए जाएंगे. इसके लिए दो विद्यार्थियों का चयन हुआ है. इस बार सीबी गुप्ता बीएसएस महाविद्यालय, चंद्रावल लखनऊ में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा काजल शर्मा को बेस्ट स्पोर्ट्स मैन इन कालेज (एथलेटिक) के लिए पीरी मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा. वहीं, विश्वविद्यालय कैंपस में बीए तीसरे सेमेस्टर के छात्र खिलाड़ी (बाक्सिंग) सक्षम सिंह को राजा शंकर सहाय आफ मौरावां गोल्ड मेडल फार स्पोर्ट्समैन दिया जाएगा.

i UPDATE

21 जनवरी को होने वाला है 65वें दीक्षा समारोह

3000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड मेडल जीता है

● बाक्सिंग खिलाड़ी सक्षम सिंह को भी मिलेगा गोल्ड मेडल

● दीक्षांत समारोह को लेकर तेजी से चल रही है तैयारियां

बाक्सिंग में जीतना है गोल्ड मेडल

बालागंज गोशाला रोड निवासी एवं लखनऊ यूनिवर्सिटी में बीए तीसरे सेमेस्टर के छात्र खिलाड़ी सक्षम सिंह बाक्सिंग में आल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने की तैयारी कर रहे हैं. वह बताते हैं कि पापा राजेश सिंह का 2005 में निधन हो गया था. घर में मम्मी ऊषा सिंह और बड़े भाई अर्पित सिंह हैं. 9वी क्लास से ही बाक्सिंग का शौक था. अमीनाबाद इंटर कालेज से 12वी करने के बाद एलयू में प्रवेश लिया. प्रथम खोलो इंडिया स्कूल गेम्स दिल्ली, खोलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स कर्नाटक, द्वितीय खोलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में ब्रांज मेडल के साथ सेकेंड जूनियर नेशनल खेल में रजत पदक मेडल जीत चुके हैं.

21 जनवरी को लखनऊ यूनिवर्सिटी का 65वां दीक्षांत समारोह होगा

ओलंपिक में प्रतिभाग करना लक्ष्य

छात्रा काजल के पिता देवेंद्र शर्मा किसान हैं. मम्मी संतोष शर्मा गृहिणी हैं. काजल ने भुवनेश्वर में हुई आल इंडिया यूनिवर्सिटी नार्थ जोन-एथलेटिक्स में वीमेन 3000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड मेडल जीता है. इससे पहले नेशनल प्रतियोगिताओं में 24 गोल्ड, 18 सिल्वर और चार ब्रांज मेडल के साथ इंडियन ग्रांड प्रिक्स 4-2022 में भी ब्रांज मेडल जीत चुकी हैं. काजल बताती हैं कि मेरा सपना है कि भारत के लिए मेडल हासिल कर सकूं. इसके लिए पूरी तैयारी कर रही हूं. 2024 के ओलंपिक गेम्स में प्रतिभाग करना मेरा लक्ष्य है. काजल की छह बहनें, एक भाई हैं.

कई कंपनियों में नौकरियों के लिए आवेदन

LUCKNOW(15 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय ने कई बड़ी कंपनियों में नौकरी के लिए आवेदन का मौका दिया है. इंजीनियरिंग संकाय की प्लेसमेंट सेल की ओर से कंपनियों के आवेदन की प्रक्रिया जारी की गई है. प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि हाकिंस कुकर कंपनी में बीटेक (मैकेनिकल एवं सिविल), एमबीए एवं विधि अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को मैनेजमेंट ट्रेनी के पद के लिए https//www.hawkinscookers.com/Jobs_ViewList_MgmtTrainees.aspx पर आवेदन कर सकते हैं. चयनित होने पर ट्रैनिंग के दौरा आठ से दस लाख रुपये का पैकेज मिलेगा. नौकरी पक्की होने पर यह पैकेज 10 से 12 लाख रुपये तक दिया जाएगा.

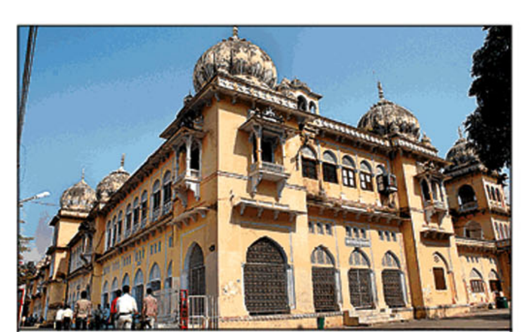

ब्लाक चेन तकनीक पर व्याख्यान आज

एलयू के द्वितीय परिसर में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की ओर से सोमवार को सुबह 11 बजे से ब्लॉकचेन तकनीक: चैलेंजेस एवं फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा. इसमें फैकल्टी आफ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस, यूनिवर्सिटी आफ लूबीआन, स्लोवेनिया के प्रोफेसर व्लादो स्टेनकोस्की मुख्य वक्ता होंगे. दोपहर 2:30 बजे से नो-कोड कंप्यूटर विजन एआई माडल डेवलपमेंट विषय पर मुख्य वक्ता वरुण पोलादिया अपने विचार रखेंगे.

25 तक रेगुलर पीएचडी के आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2022-23 के रेगुलर पीएचडी प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी है. कालेज के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अभ्यर्थियों को आवेदन के लिए दो हजार रुपये, एससी-एसटी एवं दिव्यांग (फिजिकल हैंडीकैप) अभ्यर्थियों के लिए एक हजार रुपये का शुल्क तय होगा. आवेदन फार्म अभ्यर्थी अपने मोबाइल के माध्यम से विश्वविद्यालय के एप से डाउनलोड करके भी भर सकते हैं. प्रवेश रिवाइज्ड पीएचडी आर्डिनेंस-2020 के आधार पर होंगे. अभ्यर्थियों को यह सलाह दी गई है कि प्रवेश फार्म की फीस आनलाइन जमा करने के बाद 72 घंटे के पहले दोबारा न जमा करें. किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 पर सुबह 10 से शाम छह बजे तक संपर्क कर सकते हैं.

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

दीक्षांत सप्ताह के दूसरे दिन काव्य पाठ की धूम

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के संरक्षण में सोमवार को सांस्कृतिकी के द्वारा आयोजित आत्म मंथन काव्य पाठ का प्रारंभ प्रो. मधुरिमा लाल के स्वागत उद्बोधन द्वारा हुआ। इस कार्यक्रम में अनेक कवियों ने अपनी स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की, जिसमें साहित्य के क्षेत्र में कई वर्षों से देश-विदेश में सक्रिय नीरजा शुक्ला, जो कनाडा में रहकर हिंदी का प्रचार-प्रसार कर रही हैं।

साथ ही साथ वह उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान, अस्मिता सम्मान एवं साहित्य शिल्पी आदि सम्मानों द्वारा सम्मानित भी हैं। हिंदी के मूर्धन्य साहित्यकार भगवती चरण वर्मा के पौत्र चन्द्र शेखर वर्मा थे, जिनका उपन्यास 'कॉर्नर्स ऑफ़ ए स्ट्रैट लाइन' एक बेस्टसेलर उपन्यास है और उनकी उर्दू की गजलें रेख्ता में प्रकाशित हो चुकी हैं। वही एलयू के हिंदी विभाग की प्रो. अलका पाण्डेय, जिनकी सात पुस्तकें एवं सौ से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं तथा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक सम्मान सहित 11 राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हैं, ने आधी आबादी या स्त्री विमर्श पर कविता-जीवन के सौंदर्य से, विरही मन की पीड़ा का उपजना ही तो गीत है, सुनाकर स्त्री मुक्ति के कुलबुलाते सपनों को अंकुराने की जमीन देने का प्रयास किया, नीरजा की कविता- जीवन के कोरे पन्नों पर कुछ तुम लिख दो कुछ हम लिख दे, चंद्रशेखर की कविता-मंजिल पर आके रास्ता छोड़ा नहीं जाता, यूं साथ हमसफर का तो छोड़ा नहीं जाता, डॉ. वैशाली की कविता मैं नदिया हूं, अविरल बहती हूं, एवं प्रो. मधुरिमा प्रधान ने सोहन लाल द्विवेदी द्वारा रचित कविता, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती, का पाठ करके उपस्थित लोगों की तालियां बटोरीं।

कुलपति के संरक्षण में दीक्षांत सप्ताह के दूसरे दिन सांस्कृतिकी की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में अनेक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की, जिनमें प्रमुदित पाण्डेय, जसप्रीत, आरजू, नरेंद्रनाथ, नंदिनी, आदर्श 'शाश्वत', नामिश, अनमोल और जय हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुनीता श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, पोएट्री रेसिटेशन, जो कि उमा हरिकृष्ण अवस्थी हॉल में एवं अन्य प्रतियोगिताएं डी पी सभागार में आयोजित की जायेगीं एवं एलयू द्वितीय परिसर में आज रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

35 नए कालेज, 65 नए कोर्सों के लिए आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने आवेदन वाले नए कालेजों के भूमि अभिलेखों की जांच के लिए जिलाधिकारियों को भेजा पत्र

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने आगामी शैक्षिक सत्र-2023 के लिए नए कालेजों एवं कोर्सों को सम्बद्धता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बार पांच जिलों में 35 नए कालेज और 65 नए कोर्स खोलने के लिए पुराने कालेजों ने आवेदन किए हैं। नए कालेजों के भूमि अभिलेखों की जांच के लिए कुलसचिव ने संबंधित जिले के जिलाधिकारियों को पत्र भेज दिया है। वहीं, नए कोर्सों के लिए कालेजों में संसाधनों का निरीक्षण करने के लिए टीमें गठित की जा रही हैं।

लवि से लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी जिले को मिलकर 545 महाविद्यालय सम्बद्ध हैं। इनमें 3,45,000 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। इस बार नए कालेज एवं कोर्स शुरू करने के लिए 31 दिसंबर तक आनलाइन आवेदन लिए गए थे। उसके बाद जिनके आवेदन की हार्ड कापी नहीं जमा हो पाई थी, उन्हें एक और मौका भी दिया गया। पांचों जिलों में 35 नए कालेज खोलने के साथ-साथ बीए, बीएससी, बीकाम, एलएलबी, पीजी सहित पीजी को मिलाकर 65 कोर्सों के लिए आवेदन किए गए हैं।

15 फरवरी तक अपलोड करनी होगी भूमि अभिलेखों की रिपोर्ट : लवि के कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि जिन लोगों ने नए डिग्री कालेज खोलने के लिए आवेदन किया है, उन जिलों के जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर भूमि अभिलेखों की जांच के लिए कहा है। 15 फरवरी तक उन्हें आनलाइन रिपोर्ट अपलोड करने का समय दिया है। इसके अलावा जिन पूर्व में संचालित कालेजों ने नए कोर्सों के लिए आवेदन किया है, उनके यहां निरीक्षण के लिए कमेटी बनाई जा रही हैं। कमेटी निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट देंगी। उसी आधार पर नया कोर्स चलाने की अनुमति दी जाएगी।

05 जिलों के 545 महाविद्यालय सम्बद्ध हैं लखनऊ विश्वविद्यालय से

शिया पीजी कालेज में पांच वर्षीय एलएलबी की पढ़ाई : शिया पीजी कालेज में एलएलबी तीन वर्षीय सहित स्नातक व परास्नातक में 12 कोर्सों में 7300 विद्यार्थी पढ़ते हैं। अब एलएलबी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम भी शुरू करने की तैयारी है। इसकी आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, एमएससी केमिस्ट्री, बीजेएमसी सहित कई और कोर्स के लिए आवेदन किए गए हैं। अनुमति मिलने के बाद नए सत्र से यह कोर्स भी शुरू हो सकता है।

नए शिक्षकों की नियुक्ति को अनुमोदन : विश्वविद्यालय ने स्ववित्तपोषित योजना के तहत श्री शारदा इंस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज गोसाईगंज में संचालित बीजेएमसी पाठ्यक्रम में पढ़ाने के लिए चार शिक्षकों की नियुक्ति को अनुमोदन दे दिया। इसमें कॅवलजीत राव, डा. राजेश कुमार, डा. प्रतिभा शर्मा और दयानंद उपाध्याय के नाम शामिल हैं। कुलसचिव संजय मेधावी ने इसकी सूची वेबसाइट पर जारी की है।

25 तक होंगे रेगुलर पीएचडी के आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2022-23 के रेगुलर पीएचडी प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। अब 25 जनवरी तक इसके लिए आवेदन किए जा सकेंगे। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अभ्यर्थियों को आवेदन के लिए दो हजार रुपये, एससी-एसटी एवं दिव्यांग के लिए एक हजार रुपये शुल्क होगा। आवेदन फार्म मोबाइल के माध्यम से विश्वविद्यालय के एप से डाउनलोड करके भी भर सकते हैं। प्रवेश रिवाइज्ड पीएचडी आर्डिनेंस-2020 के आधार पर होंगे। अभ्यर्थियों को यह सलाह दी गई है कि प्रवेश फार्म की फीस आनलाइन जमा करने के बाद 72 घंटे के पहले दोबारा न जमा करें। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 पर सुबह 10 से शाम छह बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

ब्लाक चेन तकनीक पर व्याख्यान आज - लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की ओर से सोमवार को सुबह 11 बजे से ब्लाकचेन तकनीक : चैलेंजेस एवं फ्यूचर प्रास्पेक्ट्स विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इसमें फैकल्टी आफ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस, यूनिवर्सिटी आफ लूबीआन, स्लोवेनिया के प्रोफेसर व्लादो स्टेनकोस्की मुख्य वक्ता होंगे। दोपहर 2:30 बजे से वरुण पोलादिया अपने विचार रखेंगे।

कई कंपनियों में नौकरियों के लिए आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने कई बड़ी कंपनियों में नौकरी के लिए आवेदन का मौका दिया है। इंजीनियरिंग संकाय की प्लेसमेंट सेल की ओर से कंपनियों के आवेदन की प्रक्रिया जारी की गई है। प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि हाकिंस कुकर कंपनी में बीटेक (मैकेनिकल एवं सिविल), एमबीए एवं विधि अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को मैनेजमेंट ट्रेनी के पद के लिए https://www.hawkinscookers.com/Jobs_ViewList_MgmtTrainees.aspx पर आवेदन कर सकते है। चयनित होने पर ट्रैनिंग के दौरा आठ से दस लाख रुपये का पैकेज मिलेगा। नौकरी पक्की होने पर यह पैकेज 10 से 12 लाख रुपये तक दिया जाएगा।

यहां आवेदन का आखिरी दिन आज : प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि हेक्सावेयर टेक्नोलाजीस में लवि और सभी सम्बद्ध कालेजों के 2023 में उत्तीर्ण हो रहे बीसीए, बीएससी (कंप्यूटर साइंस) के विद्यार्थियों के पास 16 तक मौका है। कंपनी तीन लाख रुपये सालाना पैकेज पर नियुक्ति करेगी। आवेदन के लिए स्नातक में 60 फीसद से अधिक अंक होने चाहिए। छात्र-छात्राएं इस लिंक https://app.joinsuperset.com/join/#/signup/student/jobprofiles/e04004c3-b8c8-4b71-83f9-f6145f8dafdf से आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा तिथि तय नहीं, केंद्रों की सूची जारी

● 194 केंद्रों पर होंगी स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं
● लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी की प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों की सूची
● कल तक सूची पर कालेज दे सकते हैं आपतियां

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक बीए, बीएससी, बीकाम के विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 194 केंद्रों पर होंगी। विश्वविद्यालय ने रविवार को इन परीक्षा केंद्रों के साथ 23 नोडल केंद्र भी प्रस्तावित किए हैं। यदि सूची पर कोई भी कालेज आपत्ति या सुझाव देना चाहते हैं तो 17 जनवरी को शाम पांच बजे तक अनिवार्य रूप से परीक्षा नियंत्रक की ई-मेल coe@lkouniv.ac.in पर भेज सकते हैं। केंद्रों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जा रही है।

लवि ने स्नातक विषय सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारी तेज कर दी है। यह परीक्षाएं जनवरी के अंतिम सप्ताह या फरवरी के पहले सप्ताह में शुरू कराने की योजना है। अभी कोई तिथि नहीं तय की गई है, लेकिन परीक्षा केंद्रों की प्रस्तावित सूची जारी करते हुए आपत्तियां मांगी गई हैं। लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर और लखीमपुर खीरी जिले को मिलाकर 194 केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं।

सीसी कैमरे, वाइस रिकार्डर होना अनिवार्य : परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी निर्देश के अनुसार केंद्र में प्रवेश द्वार सहित हर परीक्षा कक्ष एवं उससे जुड़े बरामदें में वाइस रिकार्डर सहित सीसी कैमरा, रिकार्डिंग के लिए डीवीआर अनिवार्य है। वेब कास्टिंग की मानीटरिंग के लिए राउटर डिवाइस भी लगी होनी चाहिए। प्रत्येक कक्ष में न्यूनतम दो कैमरे, सामान्य से बड़े कक्ष में आवश्यकतानुसार दो से अधिक कैमरे लगे होने चाहिए।

कालेज की जगह सिर्फ खुल रहा लवि का विकल्प

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) की ओर से जारी किए गए सेमेस्टर परीक्षा फार्म भरने में रविवार को छात्र-छात्राओं को परेशान होना पड़ा। बीबीए प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के आनलाइन परीक्षा फार्म तो खुल गया, लेकिन उसमें कालेज का चयन करने पर सिर्फ लखनऊ विश्वविद्यालय ही लिखकर आता रहा। पांचवें सेमेस्टर के लिए दिक्कत बनी रही। बीबीए प्रथम सेमेस्टर में छह पेपर की जगह पांच ही दिख रहे। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव का दावा है कि शाम को समस्या का निस्तारण कर दिया गया, लेकिन रात आठ बजे तक समस्या बनी रही।

लवि ने विषम सेमेस्टर दिसंबर-2022 के एमबीए, बीबीए, विधि (त्रिवर्षीय, आनर्स), इंजीनियरिंग संकाय के रेगुलर, बैक पेपर एवं इक्जेम्प्टेड परीक्षा के आनलाइन फार्म जारी किए हैं। इस बार नई एजेंसी होने से फार्म भरने में समस्या आ रही है। कालेजों के मुताबिक बीबीए प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के फार्म में कालेज की जगह लखनऊ विश्वविद्यालय का विकल्प आ रहा। पांचवें सेमेस्टर के फार्म खुले ही नहीं। इसके अलावा बैक पेपर, इक्जेम्प्टेड वाले छात्र भी फार्म न भर पाने से परेशान रहे। परीक्षा विभाग की ओर से अभी तक कालेज लाग इन भी नहीं भेजा गया, जिससे फार्म सत्यापित नहीं हो पाए हैं। छात्रों के मुताबिक एलएलबी आनर्स सातवें सेमेस्टर के फार्म भरने में दिक्कत आ रही। इसके तीसरे सेमेस्टर में कालेज के नाम की जगह लखनऊ विश्वविद्यालय का नाम आ रहा है।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

पीएचडी फॉर्म भरने की तिथि बढ़ी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी रेगुलर (सत्र 2022-23) के आनलाइन प्रवेश फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 16 जनवरी से बढ़ा कर 25 जनवरी 2023 कर दी गयी है।

TARUN MITRA PAGE 12

फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स विषय पर लेक्चर आज